अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2023

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : तबला / पखावज

दि. 23/04/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना :
1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लिखें।
3) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1 लिपिबद्ध कीजिए। (कोई तीन) (3x5=15)

(तबला के विद्यार्थी)

1. निम्नलिखित तालों के ठेके ;– आडाचौताल, अद्धा
2. तीनताल में एक फरमाईशी चक्रदार।
3. झपताल मे एक रेला– दो पलटे और तिहाई के साथ।
4. तीनताल की तिगुन (पं.पलुस्कर तालिपी में)
5. रुपक और एकताल में सम से सम तक एक तिहाई।

(पखावज विद्यार्थी)

1. निम्नलिखित तालो के ठेके – धमार, सूलताल
2. कोई भी ताल में एक फरमाईशी चक्रदार।
3. चौताल में एक रेला– दो पलटे और तिहाई के साथ।
4. तीनताल की तिगुन (पं.पलुस्कर तालिपी में)
5. तेवरा तथा सूलताल में सम से सम तक एक तिहाई।

प्र.2 **पं.पलुस्कर तथा पं.भातखंडे तालिपी पद्धती की विस्तृत जानकारी देकर पाठ्यक्रम के किसी भी एक ताल को दोनो लिपी में लिपीबद्ध करें।** (10+5=15)

प्र.3 **घराना तथा बाज के बारे में जानकारी देते हुए** **(5+10=15)**

निम्नलिखित घरानों की सोदाहरण जानकारी लिखें।

(वादनविशेषता के साथ)

तबला के विद्यार्थी– लखनौ घराना

पखवाज के विद्यार्थी– पानसे घराना

प्र.4 **रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए।** **(15)**

1. 'धीरधीर' इस बोल का उपयोग प्राय: -------- में किया जाता है।
(कायदा, रेला, पेशकार)
2. 'दो उँगलीयों का बाज' ---------- घरानें की विशेषता है।
(दिल्ली, लखनौ, बनारस)
3. ---------- और ---------- में दो खाली होती है।
(रुपक / तेवरा, आडाचौताल/धमार, एकताल/चौताल)
4. पं.पलुस्कर तालिपी में एक मात्रा में दो लघुअक्षर लिखने हेतु ----- ----- चिन्ह का प्रयोग होता है।
(+, 0, –)
5. धुमाली ताल ---------- गायन प्रकार के लिए उपयुक्त है।
(ठुमरी, धृपद, भजन)
6. 'परन' / 'गत' यह ---------- रचना है।
(पूर्वसंकल्पित, विस्तारक्षम, कोई नहीं)
7. एकताल / चौताल में दमदार तिहाई का दम (विश्राम) कुल ------ ---- मात्रा का होता है।
(1, $1\frac{1}{2}$, 2)
8. ---------- यह ताल विलंबित ख्याल गायन के लिए उपयुक्त है।
(झपताल, धमार, एकताल)

9. पं.पलुस्कर तालिपीनुसार 'तिरकिट' यह बोल ---------- ऐसा लिखा जाएगा। (कुल मात्रा काल = 1)
(तिरकिट, तिरकिट, तिरकिट, तिरकिट)

10. चौताल / एकताल की तिगुन आवर्तन में एकबार बोलने हेतु ---------- मात्रा से शुरु होगी।
(10, 11, 9)

11. सूलताल में खाली --------, ------- मात्राओं पर होती है।
(1.9, 2.9, 3.9)

12. -------- और ------- में स्वतंत्र वादन नहीं किया जाता।
(झपताल/सूलताल, एकताल/चौताल, खेमटा/धुमाली)

13. दादरा, केहरवा ताल में ---------- बजाते है।
(लग्गी, कायदा, तुकडा)

14. फरमाईशी चक्रदार में कुल नो 'धा' में से दुसरे पल्लें का ---------- 'धा' समपर आता है।
(चौथा, पाँचवा, छठा)

15. ठेके के विविध प्रकार को ---------- कहते है।
(पलटा, लग्गी, किस्म)

प्र.5 'स्वतंत्र तबला/पखावज वादन' की क्रमअनुसार (10+5=15) विधिवत जानकारी लिखें तथा 'साथ संगत' के बारे में संक्षिप्त जानकारी सोदाहरण लिखिए।

प्र.6 निम्नलिखित शब्दों की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। (15)
(कोई भी तीन)

1. तिहाई
2. फरमाईशी चक्रदार
3. गत
4. परन

प्र.7 लिपीबद्ध कीजिए। (10)

अ) तबला के विद्यार्थी – तीनताल में 5 वी और 13 वी मात्रासें एक-एक तिहाई।

पखवाज के विद्यार्थी – धमार में सम से सम तक और (काल) खाली से एक-एक तिहाई।

ब) तबला / पखवाज वादक के गुण-दोष लिखिए। (5)